भारत सरकार
पेट्रो लयम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारां कत प्रश्न सं0 **178**
दिनांक **18** नवम्बर, 2019

तेल और गैस का आयात

178. श्री अदला प्रभाकर रेड्डीः
श्री प्रभुभाई नागरभाई वसावाः
श्री निहाल चन्द चौहानः
श्री बेल्लाना चन्द्रशेखरः
कुमारी शोभा कारान्दलाजेः
श्री दुष्यंत संहः
श्री मनोज कोटकः
श्री एस॰सी॰ उदासीः

क्या पेट्रो लयम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कः

(क) गत पांच वर्षों के दौरान कुल उपभोग के प्रतिशत की तुलना में आयातित कच्चे तेल और गैस का अनुपात कतना है और गत दो वर्षों और चालू वर्ष के दौरान अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या तेल की कीमत में वृद्ध से चालू खाता घाटे में वृद्ध हुई है जिससे वनिमय दरों पर प्रभाव पड़ा है जिसके परिणामस्वरूप भारत के आयात बिल में वृद्ध हो रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और तेल के बढ़ते बिलों में वृद्ध को नियंत्रित करने के लए क्या कदम उठाए गए/उठाए जाने का वचार है;

(ग) क्या सउदी अरब में दो तेल सु वधाओं पर हमलों से भारत में तेल की आपूर्ति प्रभा वत हुई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और क्या उपभोक्ताओं को ईंधन की अबा धत आपूर्ति करने के लए सरकार द्वारा कोई आकस्मिक योजना तैयार की गई है और उन प्रमुख देशों के क्या नाम हैं जिनसे कच्चा तेल आयात कया जाता है और आयातित तेल की मात्रा कतनी है;

(घ) सरकारी क्षेत्र की तेल कंपनियों द्वारा कच्चे तेल के उत्पादन की लागत में कमी करने और प्रदूषण स्तर में कमी करने के लए गैर-व्यावसायिक डीज़ल वाहनों के उपयोग को हतोत्साहित करने हेतु पेट्रोल की कीमत को डीज़ल के समतुल्य लाने के लए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं;

(ङ) क्या गत दो वर्षों के दौरान कच्चे तेल और गैस के आयात में वृद्ध हुई है और यदि हां, तो आयात पर निर्भरता कम करने के लए क्या कदम उठाए गए/उठाए जाने का वचार है और क्या भारत में कच्चे तेल के आयातों को वर्ष 2022 तक कम करने के लए कोई लक्ष्य निर्धारित कया गया है;

(च) देश में उत्पादित कच्चे तेल का ब्यौरा क्या है और क्या कच्चे तेल के उपभोग को कम करने के लए कोई कदम उठाए गए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(छ) एफ॰ए॰एम॰ई॰ योजना का ब्यौरा क्या है और अर्थव्यवस्था और पर्यावरण को इससे क्या लाभ होने की संभावना है?

उत्तर
पेट्रो लयम और प्राकृतिक गैस मंत्री
(श्री धर्मेन्द्र प्रधान)

(क) पछले 5 वर्षों के दौरान खपत के आधार पर आयात निर्भरता निम्नानुसार है :-

	2014-15	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19
कच्चा तेल	**78.3%**	**80.6%**	**81.7%**	**82.9%**	**83.8%**
प्राकृतिक गैस	**36.3%**	**40.7%**	**44.6%**	**46.4%**	**47.3%**

पछले 2 वर्षों और चालू वर्ष के दौरान अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के मूल्यों के ब्यौरे निम्नानुसार हैं :-

वर्ष	कच्चे तेल की भारतीय बास्केट(अमरीकी डॉलर/बीबीएल)
2017-18	56.43
2018-19	69.88
2019-20 (12.11.2019 तक)	63.77

(ख) : कच्चे तेल का आयात अ धकांशत: अमरीकी डॉलर से कया जाता है और अ धक आयात मूल्यों से देश का आयात बिल बढ़ जाता है जिससे चालू खाता घाटा (सीएडी) होता है। तथा प, सीएडी भुगतान संतुलन का केवल एक भाग है जो अन्य बातों के साथ-साथ अमरीकी डॉलर की तुलना में रुपए की आपूर्ति और मांग, ब्याज दरों में अंतर, पूंजी प्रवाह और तकनीकी मदद आदि जैसे व भन्न घटकों पर निर्भर करता है। आ र्थक सर्वेक्षण 2017-18 के अनुसार अनुमान है क तेल के मूल्य में 10 अमरीकी डॉलर प्रति बैरल की वृद्ध होने से वकास दर में 0.2-03 प्रतिशत तक की कमी हो जाती है और सीएडी में लगभग 9-10 बि लयन अमरीकी डॉलर की बढ़ोतरी हो जाती है।

सरकार बढ़ते हुए तेल बिलों को नियंत्रित करने के उद्देश्य से जैव ईंधनों तथा नवीकरणीय ईंधनों को बढ़ावा देकर मांग प्रतस्थापन पर जोर दे रही है।

(ग): सऊदी अरब में तेल सु वधाओं पर आक्रमण का भारत को की जाने वाली तेल की आपूर्ति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। इसके अलावा, सरकार ने इं डयन स्ट्रैटेजिक पेट्रो लयम रिजर्व्स ल. (आईएसपीआरएल) के माध्यम से वशाखाप नम, मंगलौर और पादुर में कार्यनीतिक पेट्रो लयम भंडार सु वधाओं की स्थापना की है ता क आकस्मिक मांग पूरी की जा सके।

(घ): कच्चे तेल की उत्पादन लागत में कमी के उद्देश्य से सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों द्वारा उठाए गए कदमों से प्रचालन लागत में कमी हो रही है, संसाधनों का अ धकतम उपयोग हो रहा है, रिग प्रचालन लागत प्रभावी हो रहे हैं तथा अनुसंधान और वकास को बढ़ावा मल रहा है।

प्रशा सत मूल्य व्यवस्था (एपीएम) को समाप्त कए जाने के बाद सरकार ने अन्य बातों के साथ-साथ पेट्रोल और डीजल के मूल्यों को क्रमश: मई, **2010** और अक्तूबर, **2014** में नियंत्रण मुक्त कर दिया। अत: पेट्रोल और डीजल के मूल्य तेल वपणन कंपनियां तय करती हैं।

(ड.)और (च) : भारत का कच्चे तेल का आयात वर्ष 2017-18 के दौरान 220.4 एमएमटी था जो 2018-19 में बढ़कर 226.5 एमएमटी हो गया था। पछले 3 वर्षों के दौरान कच्चे तेल के उत्पादन के ब्यौरे निम्नानुसार हैं :-

वर्ष	कच्चे तेल का उत्पादन (मात्रा एमएमटी में)
2016-17	36.0
2017-18	35.7
2018-19	34.2

देश की कच्चे तेल पर आयात निर्भरता में कमी करने के लए उठाए गए कदम निम्नानुसार हैं :-

(i) कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस का घरेलू उत्पादन बढ़ाने के लए नीतियां,

(ii) जैव-ईंधनों और नवीकरणीय ईंधनों को बढ़ावा (एथेनॉल आपूर्ति वर्ष 2018-19 में आज की तारीख तक पेट्रोल के साथ 181 करोड़ लीटर एथेनॉल का मश्रण कया गया),

(iii) ऊर्जा दक्षता और संरक्षण को बढ़ावा,

(iv) शोधन प्र क्रयाओं में सुधार,

(v) मांग प्रतिस्थापन।

(छ): भारी उद्योग वभाग ने बताया है क भारत में इलैक्ट्रिक वाहनों को तेजी से अपनाना और उनका वनिर्माण (एफएएमई) योजना इलैक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लए पहलों में से एक है। इस योजना का उद्देश्य वाहन परिवहन से होने वाले कार्बन डाईआक्साइड (सीओ2) उत्सर्जन को कम करना भी है।

****